भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4278
19 अगस्त, 2025 को उत्तर के लिए

बीएसएल द्वारा इंटरमीडिएट रोल और वर्क रोल की खरीद

4278. श्री दुलू महतोः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को पता है कि बीएसएल में एचएसएम और सीआरएम शॉप्स के लिए भारी मात्रा में इंटरमीडिएट रोल्स और वर्क रोल्स खरीदे गए हैं, जो अभी भी भंडारों में पड़े हैं और उनका उपयोग नहीं हो रहा है;

(ख) क्या इस स्थिति के होते हुए भी प्रतिदिन नए रोल्स खरीदे जा रहे हैं और इसकी कुल लागत लगभग 16 करोड़ रुपये है;

(ग) क्या संबंधित प्राधिकारियों ने इस अनावश्यक और वित्तीय रूप से हानिकारक खरीद के कारणों की जांच की है;

(घ) क्या सरकार इस वित्तीय अपव्यय को रोकने और आवश्यकतानुसार खरीद सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठा रही है; और

(ङ) क्या सरकार का ऐसी अनावश्यक भावी खरीद के निवारण के लिए बीएसएल में खरीद प्रक्रिया और स्टॉक नियंत्रण प्रणाली को सुदृढ़ करने का विचार है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) से (ङ): इस्पात एक नियंत्रण-मुक्त क्षेत्र है, जहाँ सरकार की भूमिका मुख्यतः एक सुविधाप्रदाता की है। इससे इस्पात कंपनियाँ बाज़ार की गतिशीलता और वाणिज्यिक सोच-विचारों के आधार पर अपने प्रचालन के संबंध में स्वतंत्र निर्णय ले सकती हैं।

स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (सेल) में रोल्स की खरीद सामान्यतः तीन-वर्षीय चक्र पर, केंद्रीकृत अधिप्राप्ति एजेंसी (सीपीए) के माध्यम से की जाती है, जो मिलों की वार्षिक उत्पादन योजना, उपभोग पैटर्न और संचलन मानदंडों एवं सुरक्षा स्टॉक को बनाए रखने की आवश्यकता के आधार पर विधिवत अनुमोदित टास्क फ़ोर्स की सिफारिशों के अनुसार होती है।

सेल के आंतरिक और सरकारी लेखापरीक्षा द्वारा स्टॉक की समीक्षा की जाती है, जिसमें स्टॉक की स्थिति और रोल्स के उपभोग पैटर्न की जाँच की जाती है और लेखापरीक्षा टिप्पणियों और सिफारिशों के आधार पर सेल द्वारा उचित कार्रवाई की जाती है।

*****